न्यूज डायरी

यूक्रेन में बंधक संकट का फिल्मी अंत, राष्ट्रपति से करवाया ट्वीट तब माना बंदूकधारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन के लुट्स्क शहर में बस में सवार 10 लोगों को बंधक बनाए जाने की घटना का बेहद फिल्मी अंत हुआ। कई घंटे तक चले इस बंधक संकट का अंत उस समय हुआ जब बंदूकधारी ने राष्ट्रपति वोलोदयमयर जेलेंस्की से बात की। इसके बाद राष्ट्रपति ने एक वीडियो मेसेज पोस्ट किया। दरअसल, इस बंदूकधारी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से बस में बैठे बंधकों को रिहा करने के बदले एक वीडियो मेसेज जारी करने की शर्त रखी थी।
राष्ट्रपति को अपने संदेश में सिर्फ कहना था, श्सभी लोगों को वर्ष 2005 में आई फिल्म अर्थलिंग्स को देखना चाहिए। इसके बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वीडियो मेसेज जारी करके लोगों से यह अपील की। राष्ट्रपति के अपील के बाद बंधक बनाने वाला मान गया और उसने वादे के मुताबिक सभी लोगों को रिहा कर दिया।
पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है।
सभी बंधक सुरक्षित हैं और हमलावर ने उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है।

सलून में कोरोना वायरस संक्रमण रोकने के लिए फेसशील्ड नहीं मास्क पहनें नाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। दुनियाभर में कोरोना वायरस का कहर जारी है। इस महामारी से संक्रमित लोगों की संख्या 1.51 करोड़ के पार पहुंच गई है। इस बीच स्विटजरलैंड के हेल्थ एक्सपर्ट ने दावा किया है कि सलून के अंदर नाई को फेसशील्ड नहीं बल्कि मास्क संक्रमण से बचा सकता है। उनका यह शोध ऐसे समय पर आया है जब स्विस अधिकारी एक गांव के अंदर होटल में तमाम सावधानियां बरतने के बाद भी कई मामले सामने आने की जांच कर रहे हैं।
विशेषज्ञों ने पाया कि केवल वही लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे जिन्होंने फेसशील्ड पहन रखा था। वहीं जिन लोगों ने मास्क या फेसशील्ड के साथ मास्क पहन रखा था, वे इससे संक्रमित नहीं हुए। दुनियाभर में नाई को कोरोना वायरस से बचाने के लिए कई दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। कई जगहों पर यह कहा गया है कि नाई केवल फेसशील्ड पहनकर कोरोना वायरस से बच सकते हैं।

पूर्वोत्तर नाइजीरिया में इस्लामिक चरमपंथियों ने पांच सहायता कर्मियों की हत्या की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैदुगुड़ी। इस्लामिक चरमपंथियों ने पिछले महीने पूर्वोत्तर नाइजीरिया से अगवा किए गए पांच सहायता कर्मियों की हत्या का एक वीडियो जारी किया है। इन सहायताकर्मियों का अपहरण उस वक्त हुआ था जब बोको हराम से अलग होकर बने एक समूह ने अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों और सेना की मदद करने वाले नाइजीरियाई लोगों को निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। नाइजीरिया के राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी ने एक बयान जारी कर मृतकों की पहचान देश के 'स्टेट इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी', 'इंटरनेशनल चौरटीज एक्शन एगेंस्ट हंगर', 'रिच इंटरनेशनल एंड इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी' के सदस्यों के तौर पर की है। बुहारी ने संकल्प किया कि उनकी सरकार ''दोषियों को न्याय के दायरे'' में लाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

इस राज्य के स्कूलों में बुर्का पहनने पर पाबंदी, कहा– यह स्वतंत्र समाज का हिस्सा नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। दक्षिण–पश्चिम जर्मनी में बाडेन–वुर्टेमबर्ग राज्य ने स्कूलों में बुर्का पहनने पर प्रतिबंध का ऐलान किया है। राज्य ने एक आदेश में कहा कि किसी भी स्वतंत्र समाज में चेहरे को ढका जाना सही नहीं है। यह राज्य पहले ही टीचर्स को बुर्के के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा चुका है। बाडेन–वुर्टेमबर्ग के स्टेट प्रीमियर विनफ्रेड क्रॉस्टमैन ने कहा कि राज्य के स्कूलों में बहुत कम संख्या में ही लड़कियां बुर्का पहनती थी। लेकिन, इस प्रतिबंध के बाद अब पूर्ण रूप से इसपर पाबंदी लग सकेगी। उन्होंने कहा कि नया नियम राज्य में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में जाने वाली लड़कियों पर लागू होगा। क्रॉस्टमैन ने कहा कि जर्मनी में रूढ़िवादी मुस्लिम महिलाएं और लड़कियां ही बुर्का पहनती थीं। यह किसी भी मुक्त समाज का अंग नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस कानून को विश्वविद्यालय स्तर पर लागू करने में कई अड़चने हैं।

अमेरिका से सीख चीनी दूतावास को बंद करे भारत

भारत को चीन के कोलकाता स्थित दूतावास को बंद कर देना चाहिए

सलाह

■सामरिक मामलों के विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी का कहना है कि भारत भी इसी तरह का ऐक्शन ले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। जासूसी के आरोपों के बाद अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में चीन के वाणध्ज्य्य दूतावास को 72 घंटे में बंद करने के बाद अब भारत में भी इसी तरह की मांग उठ रही है। सामरिक मामलों के विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी का कहना है कि भारत के पास अमेरिका की तरह से ऐक्ष्शन लेने के कई बड़े कारण हैं। उन्होंने सरकार को सलाह दी है कि भारत को चीन के कोलकाता स्थित वाणिज्य दूतावास को बंद कर देना चाहिए।

चेलानी ने कहा, चीन के आक्रामक रूख का सामना कर रहे भारत के पास ऐसा करने के कई कारण मौजूद हैं। चीन को यह दिखाने के लिए कि भारत केवल बात नहीं करता है, पीएम मोदी को अपने पूर्ववर्ती सरकार के वर्ष 2006 के कोलकाता में वाणिज्य दूतावास को खोलने की अनुमति देने के फैसले को वापस ले लेना चाहिए। पिछली सरकार ने वर्ष 1962 में ल्हासा में भारत के वाणिज्य्य दूतावास को बंद करने के चीन के फैसले के वापस लेने से पहले ही बीजिंग को कोलकाता में अनुमति दे दी थी।

कोलकाता के लिए अनुमति देना बड़ी गलती: उन्होंने कहा कि चीन के ल्हासा में वाणज्यि दूतावास खोलने की अनुमति दिए बिना कोलकाता के लिए अनुमति देना, अपने आप में बड़ी गलती था। चीन पूर्वोत्तर खासतौर पर सिलीगुढ़ी कॉरिडोर को लेकर नापाक मंसूबा रखता है। डोकलाम की घटना ने इसे दिखाया भी था। चेलानी ने बताया कि वर्ष 1952 में तिब्बत की हार (चीनी कब्जा) के बाद भारत का ल्हासा में दूतावास वाणिज्य दूतावास में बदल गया था। बाद में चीन सरकार ने उसे भी 1962 में बंद कर दिया था।

बता दें कि अमेरिका ने चीन को ह्यूस्टन में अपना वाणिज्य दूतावास बंद करने का आदेश दिया है जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव बढ़ गया है। देश में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के खिलाफ कड़े कदम उठाने के सिलसिले में यह नया कदम है। चीन ने बुधवार को इस आदेश की निंदा करते हुए इसे 'अपमानजनक' बताया और कहा कि अगर इस फैसले को वापस नहीं लिया गया तो इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

चीन के और दूतावासों को बंद कर सकता है अमेरिका: ट्रंप ने कहा कि अगर चीन अपना व्यवहार नहीं बदलता है तो और दूतावासों को बंद किया जा सकता है। उन्होंने वाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'ऐसा हमेशा संभव है।' विदेश विभाग ने कहा कि उसने 72 घंटों के भीतर वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया है।

कोरोना से डरा किम जोंग उन, मास्क न पहनने पर सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन भी कोरोना वायरस से खौफ खाने लगे हैं। कोविड–19 के खतरे को देखते हुए किम जोंग उन ने मास्क नहीं पहनने वालों के खिलाफ बेहद कड़ी सजा का ऐलान किया है। उत्ध्तर कोरिया से आ रही खबरों के मुताबिक मास्ध्क नहीं पहनने पर नागारिकों को 3 महीने तक कड़ी मजदूरी करनी पड़ेगी।

माना जा रहा है कि दुनिया से कटे उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए किम जोंग उन ने यह कदम उठाया है। रेडियो फ्री एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक मास्ध्क नहीं पहनने वाले लोगो की धर–पकड़ के लिए छात्रों को मास्क गश्त पर भेजा जाएगा। इसके लिए छात्रों की भर्तियां होने वाली हैं। इस दौरान जिन लोगों को मास्क के बिना पाया जाएगा, उन्हें तीन महीने तक कड़ी मजदूरी करनी पड़ेगी।

उत्तर कोरिया ने अपने कोरोना वायर मामलों को दुनिया के सामने नहीं रखा है लेकिन इससे बचाव के लिए उसने कई कड़े कदम उठाए हैं। इसके तहत लोगों के जमा होने पर रोक है। साथ ही मास्ध्क पहनना और सीमा पर काम करने वालों का अलग–थलग रहना आवश्यक है। उत्तर कोरिया ने दावा किया है कि उसके यहां पर कोरोना वायरस का कोई केस नहीं है।

ताइवान से जंग की तैयारी में जुटा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना के युद्धाभ्यास से बेपरवाह चीन ताइवान पर कब्जे की तैयारी में जुट गया है। यही नहीं चीन अब हर लगभग हर दिन ताइवान की सीमा में फाइटर जेट भेज रहा है। यह कहना है ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू का। वू ने कहा कि चीन बलपूर्वक ताइवान पर कब्जे की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से चीन न केवल ताइवान पर हमले का अभ्यास कर रहा है, बल्कि हर दिन अपने फाइटर जेट को हमारे एयर स्पेस में भेज रहा है। यह हमारे लिए चिंता का सबब बन गया है। ताइवान के विदेश मंत्री ने कहा कि चीन धीरे–धीरे अपनी सैन्ध्य तैयारी को खासतौर पर हमारे देश के हवाई इलाके और समुद्र में बढ़ा रहा है। चीन सैन्य तैयारी के जरिए ताइवान के मुद्दे को सुलझाना चाहता है।

चीन ने सफलतापूर्वक मंगल ग्रह के लिए रवाना किया अपना अंतरिक्ष यान तिआनवेन 1

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मंगल यान तिआनवेन 1 को दक्षिण चीन के हेनान प्रांत से रवाना किया गया

पेइचिंग। चीन ने मंगल ग्रह के लिए अपने पहले मिशन तिआनवेन1 को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। चीन का सबसे हैवी रॉकेट लॉन्ग मार्च–5 Y4 इस अंतरिक्ष यान को लेकर रवाना हुआ। चीनी मंगल यान तिआनवेन 1 को दक्षिण चीन के हेनान प्रांत के वेनचांग स्प्पेस लॉन्च्च सेंटर से रवाना किया गया। चीन का दावा है कि इस यान से अनंत अंतरिक्ष में खोज के नए युग की शुरुआत होगी। चीन के नैशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि 2000 सेकंड की उड़ान के बाद यह रॉकेट पृथ्वी–मंगल की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश कर गया। इसके बाद अब यह मंगल ग्रह की ओर रवाना हो गया है। बताया जा रहा है कि चीन का अंतरिक्ष यान करीब 7 महीने की यात्रा के बाद फरवरी 2021 में मंगल ग्रह के गुरुवत्वाकर्षण वाले इलाके में प्रवेश कर जाएगा। यह अंतरिक्ष यान अपने साथ एक रोवर ले गया है जो मंगल की सतह पर लैंड करेगा।

मंगल पर कहां छिपी है बर्फ, लगाएगा पता?: चीन का यह मिशन अगर सफल रहता है तो यह मानव के इतिहास में पहली बार में मंगल की कक्षा में चक्कर लगाने, लैंडिंग करने और रोवर के चक्कर लगाने का एक ही मिशन में पहला अभियान होगा। चीन ने कहा है कि इस मिशन का लक्ष्य मंगल की सतह पर किन जगहों पर बर्फ है, इसका पता लगाना। इसके अलावा सतह की संरचना, जलवायु और पर्यावरण के बारे में पता लगाना है। चीन के इस रॉकेट का तीन बार सफल परीक्षण किया गया था। लेकिन, तीनों बार रॉकेट पर कोई पेलोड यानी भार नहीं था। ऐसे में यह शंका बनी हुई थी कि चीन का यह मिशन उसके पहले मंगल मिशन की तरह फेल न हो जाए। चीन ने मंगल ग्रह को लेकर 2011 में एक मिशन को लॉन्च किया था।

अफगान सरकार के हवाई हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में सरकार के हवाई हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। इस हमले में अपने परिवार के तीन सदस्यों को खोने वाली प्रत्यक्षदर्शी नूर रहमती ने बताया कि हेरात के अद्रास्कन जिले में जेल से रिहा हुए तालिबान के एक पूर्व लड़ाके का स्वागत करने के लिए सैकड़ों लोग एकत्रित हुए थे जब एक हवाई जहाज ने लोगों पर हमला किया।
सरकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक दिन पहले हुए हवाई हमले की जांच की जा रही है।अमेरिका और तालिबान के बीच हुए शांति समझौते के दूसरे और अहम चरण के तहत अंतर अफगान वार्ता आगे बढ़ाने के मकसद से कैदियों की रिहाई के तौर पर गुलाम नबी को रिहा किया गया।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब यह हमला हुआ तब जिले के बुजुर्ग और शुभचिंतक नबी का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। हमले में नबी का नौ साल का बेटा भी घायल हो गया।